**वर्ष : 2021-22**

**पाठ्यक्रम विवरण : (जुलाई-नवम्बर** 2021**)**

**पाठ्यक्रम :** बी.ए. हिंदी विशेष **(CBCS)**

**सत्र :** प्रथम

**पेपर :** हिंदी भाषा और उसकी लिपि का इतिहास

**शिक्षक :** डॉ. मंजू शर्मा

**पाठ्यक्रम**

इकाई 1 : हिंदी भाषा के विकास की पूर्वपीठिका

* भारोपीय भाषा –परिवार एवं अर्थभाषाएँ (संस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश आदि)
* हिंदी का आरंभिक रूप
* ‘हिंदी’ शब्द का अर्थ एवं प्रयोग
* हिंदी का विकास (आदिकाल, मध्यकाल, आधुनिक काल )

इकाई 2: हिंदी भाषा का क्षेत्र एवं विस्तार

* हिंदी भाषा : क्षेत्र एवं बोलियाँ
* हिंदी के विविध रूप (बोलचाल की भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा)
* हिंदी का अखिल भारतीय स्वरूप
* हिंदी का अंतर्राष्ट्रीय सन्दर्भ

इकाई 3 : लिपि का इतिहास

* भाषा और लिपि का अन्तः संबंध
* परिभाषा, स्वरुप एवं आवश्यकता
* लिपि के आरंभिक रूप (चित्रलिपि, भावलिपि, ध्वनि-लिपि)

इकाई 4: देवनागरी लिपि

* देवनागरी लिपि का परिचय एवं विकास
* देवनागरी लिपि का मानकीकरण
* आदर्श लिपि के गुण और देवनागरी लिपि की विशेषताएं
* देवनागरी लिपि और कंप्यूटर

**पाठ्यक्रम विवरण**

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य हिंदी भाषा और लिपि के आरंभिक रूप से लेकर आधुनिक काल की विकास यात्रा को बताना रहा है | संविधान ने कब हिंदी को राजभाषा घोषित किया और देवनागरी लिपि में हिंदी लिपि को हिंदी की मानक लिपि मान लिया गया | हिंदी विशेष के विद्यार्थियों के लिए पाठ्यक्रम अत्यंत महत्त्वपूर्ण है हिंदी का भाषा के रूप में क्रमबद्ध विकास को इस पाठ्यक्रम के माध्यम से समझाया गया है |

**शिक्षण समय : 16 सप्ताह (लगभग )**

**कक्षाएं :**  समय सारणी के आधार पर इस विषय की कक्षाएं सप्ताह के पाँचों दिन नियत की गयी | कक्षा में विषय से समबन्धित सभी महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर चर्चा हुई |विषय उपयोगी पुस्तकों के बारे में विद्यार्थियों को ज्ञान दिया

**इकाई अनुसार पाठ्यक्रम विवरण :**

|  |  |
| --- | --- |
| **सप्ताह** | **विषय**  |
| सप्ताह 1  | * भारोपीय भाषा –परिवार एवं अर्थभाषाएँ (संस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश आदि)
 |
| सप्ताह 2 | * हिंदी का आरंभिक रूप
* ‘हिंदी’ शब्द का अर्थ एवं प्रयोग
 |
| सप्ताह 3 | * हिंदी का विकास (आदिकाल, मध्यकाल, आधुनिक काल )
* हिंदी भाषा : क्षेत्र एवं बोलियाँ
 |
| सप्ताह 4 | * हिंदी के विविध रूप (बोलचाल की भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा)
* हिंदी का अखिल भारतीय स्वरूप
* हिंदी का अंतर्राष्ट्रीय सन्दर्भ
 |
| सप्ताह 5 | पुनरावृत्ति |
| सप्ताह 6 | * भाषा और लिपि का अन्तः संबंध
* परिभाषा, स्वरुप एवं आवश्यकता
 |
| सप्ताह 7  | * लिपि के आरंभिक रूप (चित्रलिपि, भावलिपि, ध्वनि-लिपि)
 |
| सप्ताह 8 | पुनरावृत्ति |
| सप्ताह 9 | * देवनागरी लिपि का परिचय एवं विकास
 |
| सप्ताह 10 | * देवनागरी लिपि का परिचय एवं विकास
 |
| सप्ताह 11 | पुनरावृत्ति |
| सप्ताह 12 | * देवनागरी लिपि का मानकीकरण
 |
| सप्ताह 13 | * आदर्श लिपि के गुण और देवनागरी लिपि की विशेषताएं
 |
| सप्ताह 14 | पुनरावृत्ति  |
| सप्ताह 15 | * आदर्श लिपि के गुण और देवनागरी लिपि की विशेषताएं
 |
| सप्ताह 16 | * देवनागरी लिपि और कंप्यूटर
 |

सम्बंधित पुस्तकें :

* हिंदी भाषा का इतिहास – धीरेन्द्र वर्मा
* हिंदी भाषा का उद्गम और विकास- उदयनारायण तिवारी
* भाषा और समाज – रामविलास शर्मा

**वर्ष : 2021-22**

**पाठ्यक्रम विवरण : (जुलाई-नवम्बर** 2021**)**

**पाठ्यक्रम : हिंदी विशेष**

**सत्र : पांचवां**

**पेपर : हिंदी नाटक/एकांकी**

**शिक्षक : डॉ. मंजू शर्मा**

**पाठ्यक्रम :हिंदी विशेष**

इकाई 1 : भारत दुर्दशा-भारतेन्दु

इकाई 2: ध्रुवस्वामिनी-जयशंकर प्रसाद

इकाई 3 : बकरी-सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

इकाई 4: दीपदान-रामकुमार वर्मा

 स्ट्राइक-भुवनेश्वर

सूखी डाली-उपेंद्रनाथ अश्क

तीन अपाहिज-विपिन कुमार अग्रवाल

**पाठ्यक्रम विवरण :**

* **आधुनिक हिंदी नाटक और एकांकी के उद्भव और विकास की जानकारी देना।**
* **नाट्य विधा की प्रकृति और संरचना की समझ विकसित करना।**
* **पाठ्यक्रम में निर्धारित नाटकों और एकांकियों के माध्यम से जीवन और समाज के विभिन्न मुद्दों की समझ और सुचिंतित दिशा को खोजने का प्रयास करना।**

**शिक्षण समय : 16 सप्ताह (लगभग )**

**कक्षाएं : हिंदी विशेष**

**इकाई अनुसार पाठ्यक्रम विवरण :**

|  |  |
| --- | --- |
| **सप्ताह** | **विषय**  |
| सप्ताह 1  | भारत दुर्दशा  |
| सप्ताह 2 | भारत दुर्दशा |
| सप्ताह 3 | भारत दुर्दशा |
| सप्ताह 4 | ध्रुवस्वामिनी |
| सप्ताह 5 | ध्रुवस्वामिनी |
| सप्ताह 6 | **ध्रुवस्वामिनी** |
| सप्ताह 7  | बकरी |
| सप्ताह 8 | बकरी |
| सप्ताह 9 | बकरी |
| सप्ताह 10 | सामूहिक चर्चा पाठ्यक्रम पर आधारित |
| सप्ताह 11 | दीपदान -रामकुमार वर्मा |
| सप्ताह 12 | स्ट्राइक –भुवनेश्वर |
| सप्ताह 13 | सूखी डाली -उपेंद्रनाथ अश्क |
| सप्ताह 14 | तीन अपाहिज- विपिन कुमार अग्रवाल |
| सप्ताह 15 | सामूहिक चर्चा (पाठ्यक्रम पर आधारित)विशेष व्याख्यान (सभी लेखकों से संबंधित)पाठ्यक्रम से संबंधित विद्यार्थियों की समस्याओं का हल |
| सप्ताह 16 | आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियांकक्षा परीक्षा (टेस्ट)परियोजना कार्य (असाइनमेंट)पाठ्यक्रम से संबंधित नाट्य प्रस्तुति (प्रेजेंटेशन)25 अंक |

सम्बंधित पुस्तकें :

* नाटककार भारतेंदु की रंग परिकल्पना-सत्येन्द्र तनेजा
* आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच -संपादक नेमीचंद्र जैन
* हिंदी एकांकी की शिल्प विधि का विकास -सिद्धनाथ कुमार
* नाटक :उद्भव और विकास -दशरथ ओझा
* हिंदी के प्रतीक नाटक -रमेश गौतम
* हिंदी नाटकों में विद्रोह की परंपरा -किरण चंद शर्मा
* जयशंकर प्रसाद :एक पुनर्मूल्यांकन -विनोद शाही
* प्रसाद के नाटक :स्वरूप और संरचना -गोविंद चातक